Neh

Chapter 9

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

Hebrew	Hindi	Strong's
וּבְיוֹם	और-दिन-में	H3117
עֶשְׂרִים	बीसवें	H6242
וְאַרְבָּעָה	और-चौबीसवें	H0702
לַחֹדֶשׁ	महीने-के	H2320
הַזֶּה	इस	H2088
נֶאֶסְפוּ	इकट्ठे-हुए	H0622
בְנֵי־	पुत्र	
יִשְׂרָאֵל	इस्राएल-के	H3478
בְּצוֹם	उपवास-के-साथ	H6685
וּבְשַׂקִּים	और-टाट-में	H8242
וַאֲדָמָה	और-धूल	H0127
עֲלֵיהֶם׃	अपने-सिरों-पर	

फिर उसी महीने की चौबीसवीं तारीख को एक दिन के उपवास के लिये इस्राएल के लोग परस्पर एकत्र हुए। उन्होंने यह दिखने के लिये कि वे दु:खी और बेचैन हैं, उन्होंने शोक वस्त्र धारण किये, अपने अपने सिरों पर राख डाली।

2

Hebrew	Hindi	Strong's
וַיִּבָּדְלוּ	और-अलग-हुए	H0914
זֶרַע	वंश	H2233
יִשְׂרָאֵל	इस्राएल-का	H3478
מִכֹּל	सब-से	H3605
בְּנֵי	पुत्रों	
נֵכָר	परदेशियों-के	H5236
וַיַּעַמְדוּ	और-खड़े-हुए	H5975
וַיִּתְוַדּוּ	और-माना	H3034
עַל־	पर	
חַטֹּאתֵיהֶם	अपने-पापों	
וַעֲוֺנוֹת	और-अधर्मों	H5771
אֲבֹתֵיהֶם׃	अपने-पिताओं-के	H0001

वे लोग जो सच्चे इस्राएली थे, उन्होंने बाहर के लोगों से अपने आपको अलग कर दिया। इस्राएली लोगों ने मन्दिर में खड़े होकर अपने और अपने पूर्वजों के पापों को स्वीकार किया।

3

Hebrew	Hindi	Strong's
וַיָּקוּמוּ	और-खड़े-हुए	
עַל־	पर	
עָמְדָם	अपनी-जगह	H5977
וַיִּקְרְאוּ	और-पढ़ा	H7121
בְּסֵפֶר	पुस्तक-में-से	
תּוֹרַת	व्यवस्था-की	H8451
יְהוָה	यहवेह	H3068
אֱלֹהֵיהֶם	अपने-परमेश्वर-की	H0430
רְבִעִית	चौथाई	H7243
הַיּוֹם	दिन-का	H3117
וּרְבִעִית	और-चौथाई	H7243
מִתְוַדִּים	मानते-थे	H3034
וּמִשְׁתַּחֲוִים	और-दण्डवत-करते-थे	H7812
לַיהוָה	यहवेह-को	H3068
אֱלֹהֵיהֶם׃	अपने-परमेश्वर	H0430
פ	פ	

वे लोग वहाँ लगभग तीन घण्टे खड़े रहे और उन्होंने अपने यहोवा परमेश्वर की व्यवस्था के विधान की पुस्तक का पाठ किया और फिर तीन घण्टे और अपने यहोवा परमेश्वर की उपासना करते हुए उन्होंने स्वयं को नीचे झुका लिया तथा अपने पापों को स्वीकार किया।

4

Hebrew	Hindi	Strong's
וַיָּקָם	और-खड़ा-हुआ	
עַל־	पर	
מַעֲלֵה	सीढ़ियों	H4608
הַלְוִיִּם	लेवीयों-की	H3881
יֵשׁוּעַ	येशूआ	H3442
וּבָנִי	और-बानी	H1137
קַדְמִיאֵל	कद्मीएल	H6934
שְׁבַנְיָה	शबन्याह	H7645
בֻּנִּי	बुन्नी	H1138
שֵׁרֵבְיָה	शेरेब्याह	H8274
בָּנִי	बानी	H1137
כְּנָנִי	और-कनानी	H3662
וַיִּזְעֲקוּ	और-पुकारा	H2199
בְּקוֹל	आवाज-से	
גָּדוֹל	ऊंची	
אֶל־	की-ओर	H0413
יְהוָה	यहवेह	H3068
אֱלֹהֵיהֶם׃	अपने-परमेश्वर	H0430

फिर लेवीवंशी येशू, बानी, कदमीएल, शबन्याह, बुन्नी, शेरेब्याह, बानी और कनानी सीढ़ियों पर खड़े हो गये और उन्होंने अपने परमेश्वर यहोवा को ऊँचे स्वर में पुकारा।

5
וַיֹּאמְרוּ और-कहो H0559 | הַלְוִיִּם लेवीयों-ने H3881 | יֵשׁוּעַ येशूआ H3442 | וְקַדְמִיאֵל और-कद्मीएल H6934 | בָּנִי बानी H1137 | חֲשַׁבְנְיָה हशबन्याह H2813 | שֵׁרֵבְיָה शेरेब्याह H8274 | הוֹדִיָּה होदिय्याह H1941 | שְׁבַנְיָה शबन्याह H7645 | פְתַחְיָה और-पतह्याह H6611 | קוּמוּ खड़े-हो
בָּרְכוּ और-धन्य-कहो H1288 | אֶת־ को H0853 | יְהוָה यहवेह H3068 | אֱלֹהֵיכֶם तुम्हारे-परमेश्वर H0430 | מִן־ से | הָעוֹלָם सदा-से H5769 | עַד־ से H5704 | הָעוֹלָם सदा-तक H5769 | וִיבָרְכוּ और-धन्य-हो H1288 | שֵׁם नाम H8034
כְּבוֹדֶךָ तेरा-महिमामय H3519 | וּמְרוֹמַם और-जो-ऊंचा | עַל־ से-ऊपर | כָּל־ सब H3605 | בְּרָכָה धन्यवाद H1293 | וּתְהִלָּה׃ और-स्तुति H8416

> इसके बाद लेवीवंशी येशू, कदमीएल, बानी, हशबन्याह, शेरेब्याह, होदियाह, शबन्याह और पतहयाह ने फिर कहा। वे बोले: “खड़े हो जाओ और अपने यहोवा परमेश्वर की स्तुति करो! “परमेश्वर सदा से जीवित था! और सदा ही जीवित रहेगा! लोगों को चाहिये कि स्तुति करें तेरे महिमावान नाम की! सभी आशीषों से और सारे गुण—गानों से नाम ऊपर उठे तेरा!

6
אַתָּה־ — | הוּא — H1931 | יְהוָה — H3068 | לְבַדֶּךָ — H0905 |]את[— |)אַתָּה(— | עָשִׂיתָ — | אֶת־ — H0853 | הַשָּׁמַיִם — H8064 | שְׁמֵי — H8064 | הַשָּׁמַיִם — H8064 | וְכָל־ — H3605
צְבָאָם — | הָאָרֶץ — H0776 | וְכָל־ — H3605 | אֲשֶׁר सब-कुछ | עָלֶיהָ उस-पर | הַיַּמִּים समुद्र H3220 | וְכָל־ और-सब H3605 | אֲשֶׁר जो | בָּהֶם उनमें | וְאַתָּה और-तू | מְחַיֶּה जीवित-रखता-है H2421 | אֶת־ को H0853
כֻּלָּם उन-सब-को H3605 | וּצְבָא और-सेना | הַשָּׁמַיִם आकाश-की H8064 | לְךָ तुझे | מִשְׁתַּחֲוִים׃ दण्डवत-करती-है H7812

> तू तो परमेश्वर है! यहोवा, बस तू ही परमेश्वर है! आकाश को तूने बनाया है! सर्वोच्च आकाशों की रचना की तूने, और जो कुछ है उनमें सब तेरा बनाया है! धरती की रचना की तूने ही, और जो कुछ धरती पर है! सागर को, और जो कुछ है सागर में! तूने बनाया है हर किसी वस्तु को जीवन तू देता है! सितारे सारे आकाश के, झुकते हैं सामने तेरे और उपासना करते हैं तेरी!

7
אַתָּה־ तू | הוּא है H1931 | יְהוָה यहवेह H3068 | הָאֱלֹהִים परमेश्वर H0430 | אֲשֶׁר जिसने | בָּחַרְתָּ चुना H0977 | בְּאַבְרָם अब्राम-को H0087 | וְהוֹצֵאתוֹ और-निकाला-उसे H3318 | מֵאוּר उर-से | כַּשְׂדִּים कसदीमों-के H3778
וְשַׂמְתָּ और-रखा | שְׁמוֹ उसका-नाम H8034 | אַבְרָהָם׃ अब्राहम H0085

> यहोवा परमेश्वर तू ही है, अब्राम को तूने चुना था। राह उसको तूने दिखाई थी, बाबेल के उर से निकल जाने की तूने ही बदला था। उसका नाम और उसे दिया नाम इब्राहीम का।

8
וּמָצָאתָ और-पाया H4672 | אֶת־ को H0853 | לְבָבוֹ उसका-हृदय H3824 | נֶאֱמָן विश्वासयोग्य H0539 | לְפָנֶיךָ अपने-सामने H6440 | וְכָרוֹת और-बांधी H3772 | עִמּוֹ उसके-साथ | הַבְּרִית वाचा H1285 | לָתֵת देने-को H5414 | אֶת־ को H0853 | אֶרֶץ देश H0776
הַכְּנַעֲנִי कनानी-का | הַחִתִּי हित्ती-का H2850 | הָאֱמֹרִי एमोरी-का H0567 | וְהַפְּרִזִּי और-परिज्जी-का H6522 | וְהַיְבוּסִי और-यबूसी-का H2983 | וְהַגִּרְגָּשִׁי और-गिर्गाशी-का H1622 | לָתֵת देने-को H5414 | לְזַרְעוֹ उसकी-संतान-को H2233
וַתָּקֶם और-पूरा-किया | אֶת־ को H0853 | דְּבָרֶיךָ अपने-वचन H1697 | כִּי क्योंकि | צַדִּיק धर्मी H6662 | אָתָּה׃ तू

> तूने यह देखा था कि वह सच्चा और निष्ठावान था तेरे प्रति। कर लिया तूने साथ उसके वाचा एक उसे देने को धरती कनान की वचन दिया तूने धरती, जो हुआ करती थी हित्तियों की और एमोरीयों की। धरती, जो हुआ करती थी परिज्जियों, यबूसियों और गिर्गाशियों की! किन्तु वचन दिया तूने उस धरती को देने का इब्राहीम की संतानों को और अपना वचन वह पूरा किया तूने क्यों क्योंकि तू उत्तम है।

סֽוּף׃	יַם־	עַל־	שָׁמַעְתָּ	זַעֲקָתָם	וְאֶת־	בְּמִצְרָיִם	אֲבֹתֵינוּ	עֳנִי	אֶת־	וַתֵּרֶא	9
लाल-के	समुद्र	पास	सुनी	उनकी-दुहाई	और	मिस्र-में	हमारे-पिताओं-का	दुख	को	और-देखा	
H5488	H3220		H8085	H2201	H0853	H4714	H0001	H6040	H0853	H7200	

यहोवा देखा था तड़पते हुए तूने हमारे पूर्वजों को मिस्र में। पुकारते सहायता को लाल सागर के तट पर तूने उनको सुना था!

עַם	וּבְכָל־	עֲבָדָיו	וּבְכָל־	בְּפַרְעֹה	וּמֹפְתִים	אֹתֹת	וַתִּתֵּן		10
लोगों	और-सब-के-विरुद्ध	उसके-दासों	और-सब-के-विरुद्ध	फिरौन-के-विरुद्ध	और-अद्भुत-कार्य	चिन्ह	और-दिखाए		
	H3605	H5650	H3605	H6547	H4159	H0226	H5414		

כְּהַיּוֹם	שֵׁם	לְךָ	וַתַּעַשׂ־	עֲלֵיהֶם	הֵזִידוּ	כִּי	יָדַעְתָּ	כִּי	אַרְצוֹ
जैसा-आज	नाम	अपने-लिए	तब-बनाया	उनके-विरुद्ध	घमंड-से-किया-था	कि	जाना	क्योंकि	उसके-देश-के
H3117	H8034				H2102		H3045		H0776

הַזֶּה׃
के-दिन
H2088

फ़िरौन को तूने दिखाये थे चमत्कार। तूने हाकिमों को उसके और उसके लोगों को दिखाये थे अद्भुत कर्म। तुझको यह ज्ञान था कि सोचा करते थे मिस्री कि वे उत्तम हैं हमारे पूर्वजों से। किन्तु प्रमाणित कर दिया तूने कि तू कितना महान है! और है उसकी याद बनी हुई उनको आज तक भी!

רֹדְפֵיהֶם	וְאֶת־	בַּיַּבָּשָׁה	הַיָּם	בְּתוֹךְ־	וַיַּעַבְרוּ	לִפְנֵיהֶם	בָּקָעְתָּ	וְהַיָּם	11
उनके-पीछा-करने-वालों-को	और	सूखी-भूमि-पर	समुद्र-के	बीच	तब-पार-हुए	उनके-सामने	चीरा	और-समुद्र	
H7291	H0853	H3004	H3220	H8432		H6440	H1234	H3220	

עַזִּים׃	בְּמַיִם	אֶבֶן	כְּמוֹ־	בִּמְצוֹלֹת	הִשְׁלַכְתָּ
प्रचंड	पानी-में	पत्थर	जैसे	गहराई-में	फेंका
H5794	H4325	H0068	H3644	H4688	H7993

सामने उनके लाल सागर को विभक्त किया था तूने, और वे पार हो गये थे सूखी धरती पर चलते हुए! मिस्र के सैनिक पीछा कर रहे थे उनका। किन्तु डुबा दिया तूने था शत्रु को सागर में। और वे डूब गये सागर में जैसे डूब जाता है पानी में पत्थर।

הַדֶּרֶךְ	אֶת־	לָהֶם	לְהָאִיר	לַיְלָה	אֵשׁ	וּבְעַמּוּד	יוֹמָם	הִנְחִיתָם	עָנָן	וּבְעַמּוּד	12
मार्ग	को	उन्हें	प्रकाश-देने-को	रात-में	आग-के	और-खम्भे-से	दिन-में	ले-चला	—	—	
H1870	H0853	H1992	H0215	H3915	H0784	H5982	H3119	H5148	H6051	H5982	

בָּהּ׃	יֵלְכוּ־	אֲשֶׁר
उसमें	चलें	जिस-पर
	H3212	

मीनार जैसे बादल से दिन में उन्हें राह तूने दिखाई और अग्नि के खंभे का प्रयोग कर रात में उनको तूने दिखाई राह। मार्ग को तूने उनके इस प्रकार कर दिया ज्योर्तिमय और दिखा दिया उनको कि कहाँ उन्हें जाना है।

יְשָׁרִים	מִשְׁפָּטִים	לָהֶם	וַתִּתֵּן	מִשָּׁמַיִם	עִמָּהֶם	וְדַבֶּר	יָרַדְתָּ	סִינַי	הַר־	וְעַל	13
सीधे	नियम	उन्हें	और-दिया	आकाश-से	उनसे	और-बात-की	उतरा	सीनै	पहाड़	और-पर	
H3477	H4941		H5414	H8064		H1696	H3381	H5514	H2022		

טוֹבִים׃	וּמִצְוֹת	חֻקִּים	אֱמֶת	וְתוֹרוֹת
अच्छी	और-आज्ञाएं	विधियां	सच्ची	और-व्यवस्थाएं
	H4687	H2706	H0571	H8451

फिर तू उतरा सीनै पहाड़ पर और आकाश से तूने था उनको सम्बोधित किया। उत्तम विधान दे दिया तूने उन्हें सच्ची शिक्षा को था तूने दिया उनको। व्यवस्था का विधान उन्हें तूने दिया और तूने दिया आदेश उनको बहुत उत्तम!

בְּיַד	לָהֶם	צִוִּיתָ	וְתוֹרָה	וְחֻקִּים	וּמִצְוֹת	לָהֶם	הוֹדַעְתָּ	קָדְשְׁךָ	שַׁבָּת	וְאֶת־	14
हाथ-से	उन्हें	आज्ञा-दी	और-व्यवस्था	और-विधियां	और-आज्ञाएं	उन्हें	बताया	तेरा-पवित्र	विश्राम	और	
H3027		H6680	H8451	H2706	H4687		H3045	H6944	H7676	H0853	

עַבְדֶּךָ׃	מֹשֶׁה
अपने-दास	मूसा
H5650	H4872

> तूने बताया उन्हें सब्त यानी अपने विश्राम के विशेष दिन के विषय में। तूने अपने सेवक मूसा के द्वारा उनको आदेश दिये। व्यवस्था का विधान दिया और दी शिक्षाएँ।

15

וְלֶחֶם	מִשָּׁמַיִם	נָתַתָּה	לָהֶם	לִרְעָבָם	וּמַיִם	מִסֶּלַע	הוֹצֵאתָ	לָהֶם
और-रोटी	आकाश-से	दी	उन्हें	उनकी-भूख-के-लिए	और-पानी	चट्टान-से	निकाला	उनके-लिए
H3899	H8064	H5414		H7458	H4325	H5553	H3318	

לִצְמָאָם	וַתֹּאמֶר	לָהֶם	לָבוֹא	לָרֶשֶׁת	אֶת־	הָאָרֶץ	אֲשֶׁר־	נָשָׂאתָ	אֶת־
उनकी-प्यास-के-लिए	और-कहा	उनसे	जाने-को	अधिकार-करने-को	को	देश	जिसे	शपथ-खाई-थी	को
H6772	H0559		H0935	H3423	H0853	H0776		H5375	H0853

יָדְךָ	לָתֵת	לָהֶם׃
हाथ-उठाकर	देने-को	उन्हें
H3027	H5414	

> जब उनको भूख लगी, बरसा दिया भोजन था तूने आकाश से। जब उन्हें प्यास लगी, चट्टान से प्रकट किया तूने था जल को और कहा तूने था उनसे 'आओ, ले लो इस प्रदेश को।' तूने वचन दिया उन को उठाकर हाथ यह प्रदेश देने का उनको!

16

וְהֵם	וַאֲבֹתֵינוּ	הֵזִידוּ	וַיַּקְשׁוּ	אֶת־	עָרְפָּם	וְלֹא	שָׁמְעוּ	אֶל־
परन्तु-वे	और-हमारे-पिताओं-ने	घमंड-से-किया	और-अकड़ी	को	अपनी-गर्दन	और-नहीं	सुना	को
H1992	H0001	H2102	H7185	H0853	H6203	H3808	H8085	H0413

מִצְוֺתֶיךָ׃
तेरी-आज्ञाएं
H4687

> किन्तु वे पूर्वज हमारे, हो गये अभिमानी: वे हो गये हठी थे। कर दिया उन्होंने मना आज्ञाएँ मानने से तेरी।

17

וַיְמָאֲנוּ	לִשְׁמֹעַ	וְלֹא־	זָכְרוּ	נִפְלְאֹתֶיךָ	אֲשֶׁר	עָשִׂיתָ	עִמָּהֶם	וַיַּקְשׁוּ	אֶת־	עָרְפָּם	וַיִּתְּנוּ־
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
H3985	H8085	H3808	H2142	H6381				H7185	H0853	H6203	H5414

רֹאשׁ	לָשׁוּב	לְעַבְדֻתָם	בְּמִרְיָם	וְאַתָּה	אֱלוֹהַּ	סְלִיחוֹת	חַנּוּן	וְרַחוּם	אֶרֶךְ־	אַפַּיִם	וְרַב־
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
	H7725	H5659	H4805		H0433	H5547	H2587	H7349	H0750	H0639	

]וחסד[	)חֶסֶד(	וְלֹא	עֲזַבְתָּם׃
—	—	और-नहीं	छोड़ा-उन्हें
		H3808	

> कर दिया उन्होंने मना सुनने से। वे भूले उन अचरज भरी बातों को जो तूने उनके साथ की थी। वे हो गये जिद्दी! विद्रोह उन्होंने किया, और बना लिया अपना एक नेता जो उन्हें लौटा कर ले जाये। फिर उनकी उसी दासता में किन्तु तू तो है दयावान परमेश्वर! तू है दयालु और करुणापूर्ण तू है। धैर्यवान है तू और प्रेम से भरा है तू! इसलिये तूने था त्यागा नहीं उनको।

18

אַף	כִּי־	עָשׂוּ	לָהֶם	עֵגֶל	מַסֵּכָה	וַיֹּאמְרוּ	זֶה	אֱלֹהֶיךָ	אֲשֶׁר	הֶעֶלְךָ
यहां-तक-कि	जब	बनाया	अपने-लिए	बछड़ा	ढाला-हुआ	और-कहा	यह	तेरा-देवता	जिसने	तुझे-निकाला
H0637				H5695		H0559	H2088	H0430		H5927

מִמִּצְרָיִם	וַיַּעֲשׂוּ	נֶאָצוֹת	גְּדֹלוֹת׃
मिस्र-से	और-किया	अपमान	बड़े
H4714			

> चाहे उन्होंने बना लिया सोने का बछड़ा और कहा, 'बछड़ा अब देव है तुम्हारा' इसी ने निकाला था तुम्हें मिस्र से बाहर किन्तु उन्हें तूने त्यागा नहीं!'

19 וְאַתָּה בְּרַחֲמֶיךָ הָֽרַבִּים לֹא עֲזַבְתָּם בַּמִּדְבָּר אֶת־ עַמּוּד הֶעָנָן לֹא־ סָר
परन्तु-तूने अपनी-दया-में बहुत नहीं छोड़ा-उन्हें जंगल-में को खम्भा बादल-का नहीं हटा
H3808 H0853 H5982 H6051 H3808 H5493

מֵעֲלֵיהֶם בְּיוֹמָם לְהַנְחֹתָם בְּהַדֶּרֶךְ וְאֶת־ עַמּוּד הָאֵשׁ בְּלַיְלָה לְהָאִיר לָהֶם וְאֶת־
उनके-ऊपर-से दिन-में ले-जाने-को मार्ग-पर और-न खम्भा आग-का रात-में प्रकाश-देने-को उन्हें और
H3119 H5148 H1870 H0853 H5982 H0784 H3915 H0215 H0853

הַדֶּרֶךְ אֲשֶׁר יֵלְכוּ־ בָהּ׃
मार्ग जिस-पर चलें उसमें
H1870 H3212

तू बहुत ही दयलु है! इसलिये तूने उन्हें मरुस्थल में त्याग नहीं। दूर उनसे हटाया नहीं दिन में तूने बादल के खम्भें को मार्ग तू दिखाता रहा उनको। और रात में तूने था दूर किया नहीं उनसे अग्नि के पुंज को! प्रकाशित तू करता रहा रास्ते को उनके। और तू दिखाता रहा कहाँ उन्हें जाना है!

20 וְרוּחֲךָ הַטּוֹבָה נָתַתָּ לְהַשְׂכִּילָם וּמַנְךָ לֹא־ מָנַעְתָּ מִפִּיהֶם וּמַיִם נָתַתָּה
और-तेरी-आत्मा अच्छी दी सिखाने-को और-अपना-मन्ना नहीं रोका उनके-मुँह-से और-पानी दिया
H7307 H5414 H3808 H4513 H6310 H4325 H5414

לָהֶם לִצְמָאָם׃
उन्हें उनकी-प्यास-के-लिए
H6772

निज उत्तम चेतना, तूने दी उनको ताकि तू विवेकी बनाये उन्हें। खाने को देता रहा, तू उनको मन्ना और प्यास को उनकी तू देता रहा पानी!

21 וְאַרְבָּעִים שָׁנָה כִּלְכַּלְתָּם בַּמִּדְבָּר לֹא חָסֵרוּ שַׂלְמֹתֵיהֶם לֹא בָלוּ וְרַגְלֵיהֶם
और-चालीस वर्ष पाला जंगल-में कुछ-नहीं घटा-था उनके-वस्त्र नहीं पुराने-हुए और-उनके-पैर
H0705 H8141 H3557 H3808 H2637 H8008 H3808 H1086 H7272

לֹא בָצֵקוּ׃
नहीं सूजे
H3808 H1216

तूने रखा उनका ध्यान चालीस वरसों तक मरुस्थल में। उन्हें मिली हर वस्तु जिसकी उनको दरकार थी। वस्त्र उनके फटे तक नहीं पैरों में उनके कभी नहीं आई सूजन कभी किसी पीड़ा में।

22 וַתִּתֵּן לָהֶם מַמְלָכוֹת וַעֲמָמִים וַתַּחְלְקֵם לְפֵאָה וַיִּירְשׁוּ אֶת־ אֶרֶץ סִיחוֹן
और-दिया उन्हें राज्य और-जातियां और-बांटा कोनों-में तब-अधिकार-किया को देश सीहोन-का
H5414 H4467 H6285 H3423 H0853 H0776 H5511

וְאֶת־ אֶרֶץ מֶלֶךְ חֶשְׁבּוֹן וְאֶת־ אֶרֶץ עוֹג מֶלֶךְ־ הַבָּשָׁן׃
और देश राजा हेश्बोन-का और देश ओग-का राजा बाशान-का
H0853 H0776 H4428 H2809 H0853 H0776 H5747 H4428 H1316

यहोवा तूने दिये उनको राज्य, और उनको दी जातियाँ और दूर—सुदूर के स्थान थे उनको दिये जहाँ बसते थे कुछ ही लोग धरती उन्हें मिल गयी सीहोन की सीहोन जो हशबोन का राजा था धरती उन्हें मिल गयी ओग की ओग जो बाशान का राजा था।

23 וּבְנֵיהֶם הִרְבִּיתָ כְּכֹכְבֵי הַשָּׁמָיִם וַתְּבִיאֵם אֶל־ הָאָרֶץ אֲשֶׁר־ אָמַרְתָּ
और-उनके-पुत्रों-को बढ़ाया तारों-जैसा आकाश-के और-लाया-उन्हें में देश जिसमें कहा-था
H3556 H8064 H0935 H0413 H0776 H0559

לַאֲבֹתֵיהֶם לָבוֹא לָרָשֶׁת׃
उनके-पिताओं-से जाने-को और-अधिकार-करने-को
H0001 H0935 H3423

वंशज दिये तूने अनन्त उन्हें जितने अम्बर में तारे हैं। ले आया उनको तू उस धरती पर। जिसके लिये उन के पूर्वजों को तूने आदेश दिया था कि वे वहाँ जाएँ और अधिकार करें उस पर।

24
וַיָּבֹאוּ — H0935
הַבָּנִים पुत्र
וַיִּירְשׁוּ और-अधिकार-किया H3423
אֶת־ को H0853
הָאָרֶץ देश H0776
וַתַּכְנַע और-दबाया H3665
לִפְנֵיהֶם उनके-सामने H6440
אֶת־ को H0853
יֹשְׁבֵי निवासियों H3427
הָאָרֶץ देश-के H0776
הַכְּנַעֲנִים कनानी
וַתִּתְּנֵם और-दिया-उन्हें H5414
בְּיָדָם उनके-हाथ-में H3027
וְאֶת־ और H0853
מַלְכֵיהֶם उनके-राजाओं H4428
וְאֶת־ और H0853
עַמְמֵי लोगों
הָאָרֶץ देश-के H0776
לַעֲשׂוֹת करने-को
בָּהֶם उनके-साथ
כִּרְצוֹנָם׃ अपनी-इच्छा-के-अनुसार H7522

> धरती वह उन वंशजों ने ले ली। वहाँ रह रहे कनानियों को उन्होंने हरा दिया। पराजित कराया तूने उनसे उन लोगों को। साथ उन प्रदेशों के और उन लोगों के वे जैसा चाहे वैसा करें ऐसा था तूने करा दिया।

25
וַיִּלְכְּדוּ और-ले-लिए H3920
עָרִים नगर
בְּצֻרוֹת गढ़ H1219
וַאֲדָמָה और-देश H0127
שְׁמֵנָה उपजाऊ H8082
וַיִּירְשׁוּ और-अधिकार-किया H3423
בָּתִּים घर
מְלֵאִים־ भरे-हुए H4392
כָּל־ सब H3605
טוּב अच्छी-वस्तुओं-से H2898
בֹּרוֹת कुओं
חֲצוּבִים खुदे-हुए H2672
כְּרָמִים दाख-बारियां H3754
וְזֵיתִים और-जैतून-बारियां H2132
וְעֵץ और-पेड़ H6086
מַאֲכָל फल H3978
לָרֹב बहुतायत-से H7230
וַיֹּאכְלוּ तब-खाया H0398
וַיִּשְׂבְּעוּ और-तृप्त-हुए H7646
וַיַּשְׁמִינוּ और-मोटे-हुए H8080
וַיִּתְעַדְּנוּ और-आनन्दित-हुए H5727
בְּטוּבְךָ तेरी-भलाई-में H2898
הַגָּדוֹל׃ बड़ी

> शक्तिशाली नगरों को उन्होंने हरा दिया। कब्जा किया उपजाँऊ धरती पर उन्होंने। उत्तम वस्तुओं से भरे हुए ले लिए उन्होंने घर; खुदे हुए कुँओं को ले लिया उन्होंने। ले लिए उन्होंने थे बगीचे अँगूर के। जैतून के पेड़ और फलों के पेड़ भर पेट खाया वे करते थे सो वे हो गये मोटे। तेरी दी सभी अद्भुत वस्तुओं का आनन्द वे लेते थे।

26
וַיַּמְרוּ परन्तु-अवज्ञा-करने-लगे H4784
וַיִּמְרְדוּ और-विद्रोह-किया H4775
בָּךְ तेरे-विरुद्ध
וַיַּשְׁלִכוּ और-फेंक-दिया H7993
אֶת־ को H0853
תּוֹרָתְךָ तेरी-व्यवस्था H8451
אַחֲרֵי पीछे
גַוָּם अपनी-पीठ H1458
וְאֶת־ और H0853
נְבִיאֶיךָ तेरे-भविष्यवक्ताओं-को H5030
הָרָגוּ मारा H2026
אֲשֶׁר־ जिन्होंने
הֵעִידוּ गवाही-दी-थी
בָם उनके-विरुद्ध
לַהֲשִׁיבָם फेरने-को H7725
אֵלֶיךָ तेरी-ओर H0413
וַיַּעֲשׂוּ और-किया
נֶאָצוֹת अपमान
גְּדוֹלֹת׃ बड़े

> और फिर उन्होंने मुँह फेर लिया तुझसे था। तेरी शिक्षओं को उन्होंने फेंक दिया दूर तेरे नबियों को मार डाला उन्होंने था। ऐसे नबियों को जो सचेत करते थे लोगों को। जो जतन करते लोगों को मोड़ने का तेरी ओर। किन्तु हमारे पूर्वजों ने भयानक कार्य किये तेरे साथ।

27
וַתִּתְּנֵם तब-दिया-उन्हें H5414
בְּיַד हाथ-में H3027
צָרֵיהֶם उनके-शत्रुओं-के
וַיָּצֵרוּ और-सताया H3334
לָהֶם उन्हें
וּבְעֵת और-समय-में H6256
צָרָתָם उनकी-विपत्ति-के
יִצְעֲקוּ जब-दुहाई-दी H6817
אֵלֶיךָ तुझसे H0413
וְאַתָּה और-तूने
מִשָּׁמַיִם आकाश-से H8064
תִּשְׁמָע सुना H8085
וּכְרַחֲמֶיךָ और-अपनी-दया-के-अनुसार
הָרַבִּים बहुत
תִּתֵּן दिया H5414
לָהֶם उन्हें
מוֹשִׁיעִים छुड़ाने-वाले H3467
וְיוֹשִׁיעוּם और-बचाया-उन्हें H3467
מִיַּד हाथ-से H3027
צָרֵיהֶם׃ उनके-शत्रुओं-के

> सो तूने उन्हें पड़ने दिया उनके शत्रुओं के हाथों में। शत्रु ने बहुतेरे कष्ट दिये उनको जब उन पर विपदा पड़ी हमारे पूर्वजों ने थी दुहाई दी तेरी। और स्वर्ग में तूने था सुन लिया उनको। तू बहुत ही दयालु है भेज दिया तूने था लोगों को उनकी रक्षा के लिये। और उन लोगों ने छुड़ा कर बचा लिया उनको शत्रुओं से उनके।

28												
	וּכְנ֣וֹחַ	לָהֶ֑ם	יָ֝שׁ֗וּבוּ	לַעֲשׂ֣וֹת	רַ֣ע	לְפָנֶ֑יךָ	וַתַּעַזְבֵ֗ם	בְּיַ֥ד	אֹֽיְבֵיהֶם֮	וַיִּרְדּ֪וּ	בָ֫הֶ֥ם	וַ֝יָּשׁ֗וּבוּ
	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
	H5117		H7725			H6440		H3027	H0341			H7725

וַ֭יִּזְעָקוּךָ	וְאַתָּ֗ה	מִשָּׁמַ֣יִם	תִּשְׁמַ֑ע	וְ֝תַצִּילֵ֗ם	כְּֽרַחֲמֶ֗יךָ	רַבּ֥וֹת	עִתִּֽים׃
—	—	—	—	—	अपनी–दया–के–अनुसार	बहुत	बार
H2199		H8064	H8085	H5337			H6256

किन्तु, जैसे ही चैन उन्हें मिलता था, वैसे ही वे बुरे काम करने लग जाते बार बार। सो शत्रुओं के हाथों उन्हें सौंप दिया तूने ताकि वे करें उन पर राज। फिर तेरी दुहाई उन्होंने दी और स्वर्ग में तूने सुनी उनकी और सहायता उनकी की। तू कितना दयालु है! होता रहा ऐसा ही अनेकों बार!

29									
	וַתָּ֨עַד	בָּהֶ֗ם	לַהֲשִׁיבָ֪ם	אֶל־	תּוֹרָתֶ֫ךָ	וְהֵ֡מָּה	הֵזִ֙ידוּ	וְֽלֹא־	שָׁמְע֬וּ
	और–गवाही–दी	उनके–विरुद्ध	लौटाने–को–उन्हें	की–ओर	तेरी–व्यवस्था	परन्तु–वे	घमंड–से–किया	और–नहीं	माना
			H7725	H0413	H8451	H1992	H2102	H3808	H8085

לְמִצְוֺתֶ֗יךָ	וּבְמִשְׁפָּטֶ֥יךָ	חָֽטְאוּ־	בָ֗ם	אֲשֶׁר־	יַעֲשֶׂ֣ה	אָדָ֣ם	וְחָיָ֣ה	בָהֶ֑ם
तेरी–आज्ञाओं	परन्तु–तेरे–नियमों–के–विरुद्ध	पाप–किया	उनमें	जो–यदि	करे	मनुष्य	तो–जीवित–रहे	उनसे
H4687	H4941	H2398				H0120	H2421	

וַיִּתְּנ֤וּ	כָתֵ֙ף	סוֹרֶ֔רֶת	וְעָרְפָּ֥ם	הִ֝קְשׁ֗וּ	וְלֹ֣א	שָׁמֵֽעוּ׃
और–झटक–दिया	अपना–कंधा	हठीला	और–अपनी–गर्दन	अकड़ी–की	और–नहीं	सुना
H5414	H3802	H5637	H6203	H7185	H3808	H8085

तूने चेताया उन्हें। फिर से लौट आने को तेरे विधान में किन्तु वे थे बहुत अभिमानी। उन्होंने नकार दिया तेरे आदेश को। यदि चलता है कोई व्यक्ति नियमों पर तेरे तो सचमुच जीएगा वह किन्तु हमारे पूर्वजों ने तो तोड़ा था तेरे नियमों को। वे थे हठीले! मुख फेर, पीठ दी थी उन्होंने तुझे! तेरी सुनने से ही उन्होंने था मना किया।

30								
	וַתִּמְשֹׁ֤ךְ	עֲלֵיהֶ֙ם	שָׁנִ֣ים	רַבּ֔וֹת	וַתָּ֨עַד	בָּ֧ם	בְּרוּחֲךָ֛	בְּיַד־
	परन्तु–धीरज–धरी	उनके–साथ	वर्ष	बहुत	और–गवाही–दी	उनके–विरुद्ध	अपनी–आत्मा–से	द्वारा
	H4900		H8141				H7307	H3027

נְבִיאֶ֖יךָ	וְלֹ֣א	הֶאֱזִ֑ינוּ	וַֽ֝תִּתְּנֵ֗ם	בְּיַ֥ד	עַמֵּ֥י	הָאֲרָצֹֽת׃
अपने–भविष्यवक्ताओं	परन्तु–नहीं	सुना	तब–दिया–उन्हें	हाथ–में	लोगों–के	देशों–के
H5030	H3808	H0238	H5414	H3027		H0776

“तू था बहुत सहनशील, साथ हमारे पूर्वजों के, तूने उन्हें करने दिया बर्ताव बुरा अपने साथ बरसों तक। सजग किया तूने उन्हें अपनी आत्मा से। उनको देने चेतावनी भेजा था नबियों को तूने। किन्तु हमारे पूर्वजों ने तो उनकी सुनी ही नहीं। इसलिए तूने था दूसरे देशों के लोगों को सौंप दिया उनको।

31										
	וּבְרַחֲמֶ֣יךָ	הָֽרַבִּ֗ים	לֹא־	עֲשִׂיתָ֥ם	כָּלָ֖ה	וְלֹ֣א	עֲזַבְתָּ֑ם	כִּ֛י	אֵֽל־	חַנּ֖וּן
	परन्तु–अपनी–दया–में	बहुत	नहीं	नाश–किया–उन्हें	पूरी–तरह	और–न	छोड़ा–उन्हें	क्योंकि	परमेश्वर	अनुग्रही
			H3808		H3617	H3808			H0410	H2587

וְרַח֣וּם	אָֽתָּה׃
और–दयालु	तू
H7349	

“किन्तु तू कितना दयालु है! तूने किया था नहीं पूरी तरह नष्ट उन्हें। तूने तजा नहीं उनको था। हे परमेश्वर! तू ऐसा दयालु और करुणापूर्ण ऐसा है!

אַל־	וְהַחֶסֶד	הַבְּרִית	שֹׁמֵר	וְהַנּוֹרָא	הַגִּבּוֹר	הַגָּדוֹל	הָאֵל	אֱלֹהֵינוּ	וְעַתָּה	32
नहीं	और-कृपा	वाचा	जो-रखता-है	और-भयावह	शक्तिशाली	महान	परमेश्वर	हमारे-परमेश्वर	और-अब	
H0408		H1285	H8104	H3372	H1368		H0410	H0430	H6258	

לְשָׂרֵינוּ	לִמְלָכֵינוּ	מְצָאַתְנוּ	אֲשֶׁר־	הַתְּלָאָה	כָּל־	אֵת	לְפָנֶיךָ	יִמְעַט	
और-हमारे-हाकिमों	हमारे-राजाओं	आई-है-हम-पर	जो	विपत्ति	सब	को	तेरे-सामने	छोटी-लगे	
H8269	H4428	H4672		H8513	H3605	H0853	H6440	H4591	

אַשּׁוּר	מַלְכֵי	מִימֵי	עַמֶּךָ	וּלְכָל־	וְלַאֲבוֹתֵינוּ	וְלִנְבִיאֵנוּ	וּלְכֹהֲנֵינוּ
अश्शूर-के	राजाओं-के	दिनों-से	तेरे-लोगों	और-सब	और-हमारे-पिताओं	और-हमारे-भविष्यवक्ताओं	और-हमारे-याजकों
H0804	H4428	H3117		H3605	H0001	H5030	H3548

הַזֶּה׃	הַיּוֹם	עַד
इस	दिन	से
H2088	H3117	H5704

> परमेश्वर हमारा है, महान परमेश्वर! तू एक वीर है ऐसा जिससे भय लगता है और शक्तिशाली है जो निर्भर करने योग्य तू है। पालता है तू निज वचन को! यातनाएँ बहुत तेरी भोग हम चुके हैं। और दु:ख हमारे हैं, महत्त्वपूर्ण तेरे लिये। साथ में हमारे राजाओं के और मुखियाओं के घटी थीं बातें बुरी। याजकों के साथ में हमारे और साथ में नबियों के और हमारे सभी लोगों के साथ घटी थीं बातें बुरी। अश्शूर के राजा से लेकर आज तक वे घटी थीं बातें भयानक!

הִרְשָׁעְנוּ׃	וַאֲנַחְנוּ	עָשִׂיתָ	אֱמֶת	כִּי־	עָלֵינוּ	הַבָּא	כָּל־	עַל	צַדִּיק	וְאַתָּה	33
बुराई-की-है	परन्तु-हमने	किया-है	सच्चाई-से	क्योंकि	हम-पर	जो-आया-है	सब	में	धर्मी	परन्तु-तू	
H7561	H0587		H0571			H0935	H3605		H6662		

> किन्तु हे परमेश्वर! जो कुछ भी घटना है साथ हमारे घटी उसके प्रति न्यायपूर्ण तू रहा। तू तो अच्छा ही रहा, बुरे तो हम रहे।

הִקְשִׁיבוּ	וְלֹא	תּוֹרָתֶךָ	עָשׂוּ	לֹא	וַאֲבֹתֵינוּ	כֹּהֲנֵינוּ	שָׂרֵינוּ	מְלָכֵינוּ	וְאֶת־	34
ध्यान-दिया	और-न	तेरी-व्यवस्था-को	माना	ने-नहीं	और-न-हमारे-पूर्वजों	हमारे-याजकों	—	—	—	
H7181	H3808	H8451		H3808	H0001	H3548	H8269	H4428	H0853	

בָּהֶם׃	הַעִידְתָּ	אֲשֶׁר	וּלְעֵדוֹתֶיךָ	מִצְוֹתֶיךָ	אֶל־
उनके-विरुद्ध	तूने-चेतावनी-दी	जिनसे	और-तेरी-चेतावनियों	तेरी-आज्ञाओं	की-ओर
			H5715	H4687	H0413

> हमारे राजाओं ने मुखियाओं, याजकों ने और पूर्वजों ने नहीं पाला तेरी शिक्षाओं को! उन्होंने नहीं दिया कान तेरे आदेशों। तेरी चेतावनियाँ उन्होंने सुनी ही नहीं।

וְהַשְּׁמֵנָה	הָרְחָבָה	וּבְאֶרֶץ	לָהֶם	נָתַתָּ	אֲשֶׁר־	הָרָב	וּבְטוּבְךָ	בְּמַלְכוּתָם	וְהֵם	35
और-उपजाऊ	विशाल	और-देश-में	उन्हें	तूने-दी	जो	बहुत	और-तेरी-भलाई-में	अपने-राज्य-में	क्योंकि-वे	
H8082	H7342	H0776		H5414			H2898	H4438	H1992	

הָרָעִים׃	מִמַּעַלְלֵיהֶם	שָׁבוּ	וְלֹא־	עֲבָדוּךָ	לֹא	לִפְנֵיהֶם	נָתַתָּ	אֲשֶׁר־
बुरे	अपने-कामों-से	वे-फिरे	और-न	तेरी-सेवा-की	नहीं	उनके-सामने	तूने-रखा	जो
	H4611	H7725	H3808	H5647	H3808	H6440	H5414	

> यहाँ तक कि जब पूर्वज हमारे अपने राज्य में रहते थे, उन्होंने नहीं सेवा की तेरी! छोड़ा उन्होंने नहीं बुरे कर्मों का करना। जो कुछ भी उत्तम वस्तु उनको तूने दी थी, उनका रस वे रहे लेते। आनन्द उस धरती का लेते रहे जो थी सम्पन्न बहुत। और स्थान बहुत सा था उनके पास! किन्तु उन्होंने नहीं छोड़ी निज बुरी राह।

פִּרְיָהּ	אֶת־	לֶאֱכֹל	לַאֲבֹתֵינוּ	נָתַתָּה	אֲשֶׁר־	וְהָאָרֶץ	עֲבָדִים	הַיּוֹם	אֲנַחְנוּ	הִנֵּה	36
उसका-फल	–	खाने-के-लिए	हमारे-पूर्वजों-को	तूने-दिया	जो	और-देश	दास-हैं	आज	हम	देख	
H6529	H0853	H0398	H0001	H5414		H0776	H5650	H3117	H0587	H2009	

עָלֶיהָ׃	עֲבָדִים	אֲנַחְנוּ	הִנֵּה	טוּבָהּ	וְאֶת־	
उसमें	दास-हैं	हम	देख	उसकी-अच्छाई	और	
	H5650	H0587	H2009	H2898	H0853	

> और अब हम बने दास हैं: हम दास है उस धरती पर, जिसको दिया तूने था हमारे पूर्वजों को। तूने यह धरती थी उनको दी, कि भोगे वे उसका फल और आनन्द लें उन सभी चीज़ों का जो यहाँ उगती हैं।

37								
	וּתְבוּאָתָהּ	מַרְבָּה	לַמְּלָכִים	אֲשֶׁר־	נָתַתָּה	עָלֵינוּ	בְּחַטֹּאותֵינוּ	וְעַל
	और-उसकी-उपज	बहुत	राजाओं-को-जाती-है	जिन्हें	तूने-ठहराया-है	हम-पर	हमारे-पापों-के-कारण	और-पर
	H8393		H4428		H5414			
	גְּוִיֹּתֵינוּ	מֹשְׁלִים	וּבִבְהֶמְתֵּנוּ	כִּרְצוֹנָם	וּבְצָרָה	גְדוֹלָה	אֲנָחְנוּ׃	פ
	हमारे-शरीरों	वे-अधिकार-रखते-हैं	और-हमारे-पशुओं-पर	अपनी-इच्छा-से	और-संकट-में	बड़े	हम-हैं	–
	H1472	H4910	H0929	H7522			H0587	

> इस धरती की फसल है भरपूर किन्तु पाप किये हमने सो हमारी उपज जाती है पास उन राजाओं के जिनको तूने बिठाया है सिर पर हमारे। हम पर और पशुओं पर हमारे वे राजा राज करते हैं वे चाहते हैं जैसा भी वैसा ही करते हैं। हम हैं बहुत कष्ट में।

38									
	וּבְכָל־	זֹאת	אֲנַחְנוּ	כֹּרְתִים	אֲמָנָה	וְכֹתְבִים	וְעַל	הֶחָתוּם	שָׂרֵינוּ
	और-इस-सब-के-कारण	इस	हम	बाँधते-हैं	एक-दृढ़-वाचा	और-लिखते-हैं	और	मुहर-लगाते-हैं	हमारे-हाकिम
	H3605	H2063	H0587	H3772	H0548	H3789		H2856	H8269
	לְוִיֵּנוּ	כֹּהֲנֵינוּ׃							
	हमारे-लेवीय	हमारे-याजक							
	H3881	H3548							

> “सो सोचकर इन सभी बातों के बारे में हम करते हैं वाचा एक: जो न बदला जायेगा कभी भी। और इस वाचा की लिखतम हम लिखते हैं और इस वाचा पर अंकित करते हैं अपना नाम हाकिम हमारे, लेवी के वंशज और वे करते हैं हस्ताक्षर लगा कर के उस पर मुहर।”